



संक्षिप्त खबरें

मतदाता सूची संशोधन के लिए आए 6.24 लाख फॉर्म

मुंबई, (एजेंसी)। छह अक्टूबर महाराष्ट्र में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद राज्य के सभी 36 जिलों से नए मतदाताओं के पंजीकरण, आपत्तियों और संशोधनों के लिए छह लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें सबसे अधिक 56,605 आवेदन पुणे जिले से मिले हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन 31 अगस्त को किया गया था। राज्य के कुल 9,78,54,049 मतदाताओं में से 7,71,65,562 मतदाताओं को सूची में शामिल किया गया था, जबकि 2,06,88,487 मतदाताओं (21.14 प्रतिशत) को एसडीडीओ (अनुपस्थितस्थानांतरितधृत दोहराव) श्रेणी में रखा गया था। जो लोग सूची में शामिल होने से वंचित रह गए, उन्हें फिर से नाम दर्ज कराने की सुविधा देने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के जिलावार आंकड़ों के अनुसार, 31 अगस्त से चार अक्टूबर के बीच कुल 6,24,054 फॉर्म प्राप्त हुए। इनमें से 6,05,097 आवेदन फॉर्म-6 (नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए), 11,251 आवेदन फॉर्म-सात (मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल करने पर आपत्ति या नाम हटाने के अनुरोध के लिए) और 7,706 आवेदन फॉर्म-आठ (मतदाता कार्ड में सुधार या बदलाव के लिए) शामिल हैं।

माथाड़ी बोर्ड इंस्पेक्टर और गार्ड 43 हजार घूस लेते अरेस्ट

ठाणे, (एजेंसी)। छह अक्टूबर भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसबीबी) ने नवी मुंबई स्थित किराना बाजार व दुकान बोर्ड (माथाड़ी बोर्ड) में तैनात एक निरीक्षक और एक सुर्क्षाकर्मी को श्रमिक पंजीकरण रसीद जारी करने के बदले 43,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसबीबी के अनुसार, 35 वर्षीय शिकायतकर्ता पेशे से ऑटो-रिक्शा चालक है। उसने बोर्ड से हट चुके अपने एक परिचित के स्थान पर माथाड़ी श्रमिक के रूप में नियुक्ति के लिए 29 अगस्त को आवेदन किया था। शिकायतकर्ता के नाम पर आधिकारिक माथाड़ी श्रमिक पंजीकरण रसीद जारी करने के बदले एक निजी सुर्क्षाकर्मी ने अपने लिए 5,000 रुपये और बोर्ड के एक निरीक्षक के लिए 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी। बाद में बातचीत के बाद यह रकम घटाकर 43,000 रुपये तय की गई। ऑटो-रिक्शा चालक ने सोमवार को एसबीबी की नवी मुंबई इकाई में इसकी शिकायत दर्ज कराई। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने बताया कि सोमवार शाम तुरंत स्थित कृषि मंडी समिति (एपीएमसी) परिसर में बोर्ड के कार्यालय में जाल बिछाया गया। इस दौरान दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। एसबीबी ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित- ‘ज्ञान और कर्म के साथ सदाचार ही बनाता है व्यक्तिको श्रेष्ठ’

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक महत्वपूर्ण सुभाषित साझा किया। इस संस्कृत श्लोक के माध्यम से उन्होंने बताया कि वास्तविक श्रेष्ठता क्या है और मनुष्य में किन गुणों का होना आवश्यक है। इसका सरल अर्थ हैकृजो व्यक्ति ज्ञानवान हो, वाग्मी (अच्छा वक्ता) हो और कर्मा में निपुण व निष्ठावान हो, फिर भी अगर उसमें शील और सदाचार नहीं है, तो वह वास्तव में श्रेष्ठ नहीं माना जा सकता। यह श्लोक महाराजा भोज द्वारा रचित प्रसिद्ध वास्तुशास्त्र ग्रंथ 'समराज्गणसूत्र



ार' के 44वें अध्याय का 16वां श्लोक है। इसमें उत्तम चरित्र और सदाचार के महत्व पर जोर दिया गया है। इस सुभाषित के

जरिए यह संदेश दिया गया है कि समाज में ज्ञान को ऊंचा दर्जा जरूर दिया जाता है, लेकिन अच्छे चरित्र के बिना ज्ञान अधूरा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग का शीर्ष संस्थान, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परिवहन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में रिसर्च, प्लानिंग, परियोजना मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करने के लिए की स्थापना को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। काम करेगा और परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और मल्टी-मॉडल



इंटीग्रेशन को बढ़ावा देगा। परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग, रिसर्च, परियोजना मूल्यांकन, मॉनिटरिंग, पॉलिसी सपोर्ट और डेटा एनालिटिक्स के लिए राष्ट्रीय शीर्ष संस्थान के रूप में काम करेगा। 10 साल या उससे अधिक की अवधि को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक नेशनल ट्रांसपोर्ट मास्टर प्लान तैयार करेगा। इसमें सड़क, रेलवे, बंदरगाह और शिपिंग, सिविल एविएशन, इनलैंड वाटरवेज, कोस्टल शिपिंग, अर्बन मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स को शामिल किया जाएगा। परिवहन मंत्रालयों की करीब 5 साल की

सेक्टरल योजनाओं और वार्षिक योजनाओं का मूल्यांकन करेगा, ताकि वे नेशनल ट्रांसपोर्ट मास्टर प्लान के अनुरूप हों और मल्टी-मॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिले। केंद्र सरकार की 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक लागत वाली इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का तकनीकी मूल्यांकन भी करेगा। इन परियोजनाओं का वित्तीय मूल्यांकन मौजूदा वित्तीय मूल्यांकन व्यवस्था के तहत ही जारी रहेगा। 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक की परिवहन और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की निगरानी करेगा।

राहुल गांधी को री-लॉन्च करने के लिए कांग्रेस फैला रही अराजकता, भाजपा नेता सबित पात्रा का तीखा वार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सबित पात्रा ने कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन के चुनाव आयोग तक प्रस्तावित विरोध 1 मार्च से पहले उन पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सिर्फ राहुल गांधी को लॉन्च और री-लॉन्च करने के लिए अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पात्रा ने कांग्रेस पार्टी पर चुनावी राजनीति में बार-बार नाकाम होने के बाद लोकतांत्रिक नियमों को खत्म करने की सुनियोजित कोशिश करने का आरोप लगाया। पात्रा ने कहा कि विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस की तरफ से एक सुनियोजित

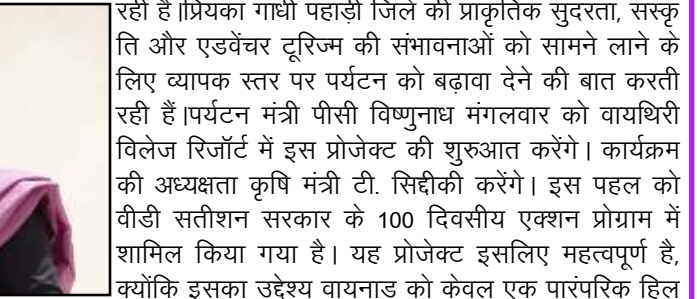


कोशिश की जा रही है कि देश में सत्ता कैसे बदली जाए और राहुल गांधी को बस ऐसे ही सत्ता में कैसे बिठाया जाए। इसके लिए, भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर सुनियोजित तरीके से हमला किया जा रहा है। बीजेपी नेता ने कहा कि यह कुछ महीने पहले शुरू नहीं हुआय यह सालों से चल रहा

है। शुरू से ही कांग्रेस किसी तरह राहुल गांधी को लॉन्च और री-लॉन्च करने की कोशिश कर रही है। कई कोशिशों के बावजूद, जब राहुल गांधी को लॉन्च नहीं किया जा सका, तो आखिरकार कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगियों ने तय किया कि भले ही उन्हें भारतीय लोकतंत्र पर हमला करना पड़े और भारत में

प्रियंका गांधी की पर्यटन पहल और सरकार की योजना से आकार ले रहा ब्रांड वायनाड

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। वायनाड को एक बेहतर तरीके से प्रबंधित वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान देने की तैयारी है। राज्य सरकार मंगलवार को अपने चर्चित श्बांड वायनाडश प्रोजेक्ट की शुरुआत करने जा रही है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी भी पिछले कुछ समय से ऐसी पहल की वकालत करती रही हैं। प्रियंका गांधी पहाड़ी जिले की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और एडवेंचर टूरिज्म की संभावनाओं को सामने लाने के लिए व्यापक स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने की बात करती रही हैं। पर्यटन मंत्री पीसी विष्णुनाथ मंगलवार को वायथिरी विलेज रिजॉर्ट में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी करेंगे। इस पहल को वीडो सतीशन सरकार के 100 दिवसीय एक्शन प्रोग्राम में शामिल किया गया है। यह प्रोजेक्ट इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य वायनाड को केवल एक पारंपरिक हिल स्टेशन की पहचान से आगे ले जाना है। इसे प्रकृति, स्थानीय जीवन, कृषि और आदिवासी संस्कृति को जोड़ने वाले एक खास पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना है। प्रियंका गांधी वायनाड में बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार करने और पर्यटन स्थल के रूप में जिले का बड़े स्तर पर प्रचार करने की वकालत करती रही हैं। उनसे पहले वायनाड के सांसद रहे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी कई बार जिले की पर्यटन संभावनाओं पर अधिक ध्यान देने की मांग की थी। उन्होंने पर्यटन के जरिए स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया था।



कई लोग अपनी मीठी बातों से दूसरों को प्रभावित कर लेते हैं, लेकिन अगर मन में खोट हो और चरित्र साफ न हो, तो उनकी बातों केवल धोखा देने का माध्यम बन जाती हैं। काम में माहिर होना और लगन से कार्य करना अच्छी बात है, लेकिन नैतिक मूल्यों के बिना यह सफलता भी अधूरी रह जाती है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा साझा किए गए इस श्लोक ने एक बार फिर याद दिलाया कि ज्ञान, वाक्पटुता और कर्म-निपुणता तभी सार्थक हैं जब वे सदाचार और अच्छे चरित्र से जुड़े हों। यही गुण किसी व्यक्ति को समाज में वास्तव में श्रेष्ठ बनाते हैं।

सीएम योगी की मौजूदगी में भाजपा के 8 उम्मीदवारों का नामांकन, दिखा शक्ति प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर मंगलवार को नामांकन का दौर पूरा हो गया। भारतीय जनता पार्टी के सभी आठ घोषित उम्मीदवारों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में लखनऊ स्थित विधानभवन में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी नेता और विधायक मौजूद रहे। भाजपा ने अपने आठ उम्मीदवारों के जरिए संगठन और अलग-अलग सामाजिक समूहों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है। भाजपा ने सोमवार को उत्तर प्रदेश की आठ राज्यसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। इनमें धर्मपाल सिंह, राध

कांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं।



मंगलवार को सभी उम्मीदवार एक साथ विधानभवन पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा प्रदेश अध्यापक पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद

रहे। नामांकन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दीं। पार्टी नेताओं ने भी उम्मीदवारों की जीत का भरोसा

जाता। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि भाजपा के सभी आठ उम्मीदवार जीतेंगे। वहीं, ब्रजेश पाठक ने उम्मीदवारों के चयन को लेकर पार्टी नेतृत्व की सराहना की और कहा कि सूची में अलग-अलग क्षेत्रों और वर्गों को प्रतिनिधित्व देने

की कोशिश की गई है। यह बयान पार्टी की ओर से उम्मीदवार चयन को लेकर रखा गया। भाजपा की सूची में संगठन से जुड़े कई नेताओं को जगह मिली है। धर्मपाल सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। राधाकांत ओझा वरिष्ठ वकील और इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। विद्यासागर सोनकर पूर्व सांसद और पार्टी के वरिष्ठ संगठनात्मक नेता हैं। खास बात यह है कि भाजपा ने अपने मौजूदा आठों राज्यसभा सदस्यों में से किसी को दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया है। इनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा भी शामिल हैं। इस फैसले को लेकर पार्टी के भीतर संभावित बदलाव और आगामी कैबिनेट फेरबदल की अटकलें भी लगाई जा रही हैं।

पश्चिम एशिया संकट से एटीएफ कीमतों पर दबाव, सरकार एयरलाइंस और तेल विपणन कंपनी के साथ कर रही चर्चा - राम मोहन नाराडू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नायडू ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट और इसके चलते एटीएफ की बढ़ती कीमतें एविएशन सेक्टर के लिए प्रमुख चिंता बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर एयरलाइंस और तेल विपणन कंपनी दोनों के साथ चर्चा कर रही है। मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब 6 अक्टूबर से की गई सभी नई बुकिंग के लिए फ्यूल चार्ज में बदलाव किया है। एयरलाइन ने कहा कि एटीएफ की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रम के कारण एटीएफ की कीमतें पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तरों में पहुंच गई हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नायडू ने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में योजना की भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि योजना के तहत एयरलाइंस को वायबिलिटी गैप फंडिंग दी गई, जिससे व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं होने वाले मार्गों पर भी संचालन को बनाए रखने में मदद मिली। नायडू के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में इस योजना के तहत 693 मार्ग शुरू किए गए हैं। धरेलू एविएशन मैनेयूफैक्चरिंग को मजबूत करने के बारे में नायडू ने कहा कि भारत जॉइंट वेयर के जरिए शुरुआती कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसी वैश्विक विमान निर्माता कंपनियां भारतीय साथ काम कर रही हैं ताकि उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर हो और उन्हें वैल्यू चेन में आगे बढ़ाया जा सके। नायडू ने बताया कि भारतीय कंपनियां वर्तमान में करीब 4 अरब डॉलर मूल्य के एयरोस्पेस उपकरण और कंपोनेंट्स का निर्माण कर रही हैं। सरकार का लक्ष्य दशक के अंत तक इसे बढ़ाकर 10 अरब डॉलर करने का है।



भारतीय दर्शन और अंकज्योतिष के नए विमर्श को वैश्विक मंच, ज्योत्स्ना बंसल की ‘TarkaNumero’ का लोकार्पण

ब्यूरो चीफ/ सत्य प्रकाश उपाध्याय
नई दिल्ली। बैंकॉक स्थित सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय में 28 से 30 सितंबर 2026 तक आयोजित पंचम वैश्विक संस्कृत सम्मेलन-2026 में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े विषयों पर देश-विदेश के विद्वानों ने विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के दौरान ज्योत्स्ना बंसल की पुस्तक ‘TarkaNumero: Numbers through the Logic of Indian Philosophy’ का लोकार्पण अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में विशेष चर्चा का विषय रहा। ग्लोबल संस्कृत फोरम, भारत, सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्ययन केंद्र, पुरातत्त्व संकाय तथा थाई भारत सांस्कृतिक लॉज, बैंकॉक के संयुक्त आयोजन में हुए सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में थाईलैंड में भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री प्रो.

डॉ. चिरापत प्रपाण्डविद्या ने की। सम्मेलन में डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय और दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन प्रो. बलराम पाणी समेत कई शिक्षाविदों एवं संस्कृत विद्वानों की सहभागिता रही। TarkaNumero में ज्योत्स्ना बंसल ने अन्नम्पट्ट के तर्कसंगत निहित भारतीय तार्किक एवं दार्शनिक अवधारणाओं के आधार पर अंकज्योतिष के साथ एक वैचारिक संबंध स्थापित करने का प्रयास किया है। पुस्तक में भारतीय दर्शन की तर्क परंपरा और संख्याओं की व्याख्या के बीच संबंध को एक शोधपरक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। इस विषय पर उनका प्रारंभिक शोध इससे पूर्व Prajna शोध-पत्रिका में प्रकाशित हो चुका है, जो पूर्णप्राज्ञ संशोधन मन्दिर द्वारा प्रकाशित तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त आदर्श शोध संस्थान से संबद्ध है। इस उपलब्धि के माध्यम से ज्योत्स्ना बंसल ने भारतीय दर्शन और अंकज्योतिष के अंतर्संबंध को अंतरराष्ट्रीय



अकादमिक मंच पर प्रस्तुत किया है। सम्मेलन के समापन समारोह में पद्मश्री प्रो. डॉ. चिरापत प्रपाण्डविद्या ने अध्यक्षता में प्रो. सुषमा यादव, अध्यक्ष, UGC Steering Committee on LOCF, सारस्वत अतिथि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा इंडोनेशिया के डॉ. आई मेड धर्मसा सहित अनेक गणमान्य विद्वान उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में ‘TarkaNumero’ का लोकार्पण भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों के बीच संवाद को आगे बढ़ाने वाली पहल के रूप में महत्वपूर्ण रहा। पुस्तक के माध्यम से भारतीय दर्शन, तर्कशास्त्र और अंकज्योतिष को एक साझा वैचारिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

देश की उपासना

संपादकीय

एसआईआर के विरोध में चौतरफा आंदोलन

राहुल गांधी ने चार महीने पहले मई में कहा था कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। तब उनके बयान का खूब मजाक भाजपा ने बनाया था, क्योंकि उस समय भाजपा ने बंगाल, असम चुनावों में बड़ी जीत दर्ज की थी। लेकिन राहुल गांधी ये कहते रहे कि उन्हें सिस्टम के अंदर से खबरें मिल रही हैं, जो मोदी सरकार के खिलाफ हैं। फिर 30 सितंबर को भी राहुल गांधी ने कहा कि बहुत जल्द देश में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा। एक बार फिर राहुल की बात पर भाजपा ने खिल्ली उड़ाई, लेकिन दिल्ली से लेकर मुंबई और पूरे देश में जिस तरह मोदी सरकार के खिलाफ अपना विरोध जनता दिखा रही है, उसके बाद राहुल गांधी की बात ही सच होती दिख रही है। एसआईआर के मुद्दे पर ज्ञानेश कुमार को बचाने की जितनी कोशिश नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, उतना ज्यादा उनकी सरकार के गिरने का खतरा बढ़ रहा है। इंडिया गठबंधन ने 30 सितंबर की बैठक में ऐलान किया था कि देश भर में वोट चोरी के मुद्दे पर मोर्चा खोला जाएगा, इसके अलावा कॉंकरोच जनता पार्टी ने भी मुंबई में 2 अक्टूबर को प्रदर्शन किया और 10 अक्टूबर से फिर से जंतर–मंतर पर बैठने की चेतावनी दी है, अभिजित दिपक ने तो साफ कहा है कि पुलिस उन्हें जहां रोकेगी, वहीं जंतर–मंतर भर जाएगा। इहर नागरिक समाज की तरफ से भी मोदी सरकार के खिलाफ विरोध तेज हो चुका है। शुक्रवार को गांधी जयंती पर नेहा बोरा, योगेन्द्र यादव, मनोज झा, संजय सिंह जैसे तमाम लोगों को पुलिस ने रोका, घसीटा, हाथों से उन पर वार किया, लेकिन उन्हें और उनके साथ खड़े हो चुके युवाओं को पुलिस नहीं रोक पाई। शनिवार को फिर जंतर–मंतर पर जबरदस्त प्रदर्शन देखने मिला2024 से पहले का वक्त होता तो ऐसी चुनौतियों को मोदी–शाह हवा में उड़ा सकते थे, लेकिन इस बार मामला संगीन हो गया है। एक के बाद एक आंदोलन, धरने और प्रदर्शन चल ही रहे हैं। यह सब राहत दे रहे हैं कि देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए अब जनता ही उठ खड़ी हुई है। ज्ञानेश कुमार के कारण चुनाव आयोग की साख तो पूरी तरह मिट्टी में मिल ही चुकी है, खुद उनकी अपनी साख भी हमेशा के लिए बर्बाद हो गई है। अब से पहले कभी देश में चुनाव आयुक्त के पद पर बैठे व्यक्ति के लिए गद्दार, चोर, देशद्रोही जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया गया। चुनाव में गड़बड़ियों के आरोप कई बार लगे, विरोधी पार्टियों ने दबंगई करने, बूथ कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप भी एक दूसरे पर लगाए, लेकिन आरोपों का कीचड़ चुनाव आयोग पर कभी नहीं उछला। लेकिन मोदी–शाह और ज्ञानेश कुमार ने तो खुद को कीचड़ में सना दिया है। अब जनता जब इस कालिख पर ऊंगली उठा रही है तो चुनाव आयोग अपने फैंसलों को पलट रहा है, मगर अब देर हो चुकी है।पूरे देश में एसआईआर रोकने की मांग तेज हो चुकी है और अपना वोट कटने से नाराज लाखों लोग सड़कों पर उतर गए हैं तो अब चुनाव आयोग अपने फैंसलों को पलट रहा है। चुनाव आयोग में निर्देश दिया है कि मतदाता सूची में छूट गए लोगों और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं या युवा मतदाताओं का पंजीकरण करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाए।

ारत में नया राजनीतिक आख्यान– प्रधानमंत्री मोदी के मोहरे हैं ज्ञानेश कुमार

डॉ. ज्ञान पाठक

इतिहास जानें चुनावी आख्यान में बदलाव साफ दिख रहा है। अगले साल की शुरुआत में होने वाले अहम राज्य चुनावों से ठीक पहले श्वोट चोरीश का नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाता है। विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के साथ–साथ प्रधानमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है। इंडिया ब्लॉक ने इस आंदोलन को न सिर्फ ‘सड़कों पर, बल्कि संसद और अदालतों तक भी ले जाने की योजना बनाई है। विपक्षी इंडिया गठबंधन का नया राजनीतिक आख्यान यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोहरे हैं, जिनके जरिए भारत के चुनावी लोकतंत्र को अगुवा कर लिया गया है। इसलिए इसमें कोई हेरानी की बात नहीं है कि भाजपा सीईसी ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी का बचाव करने की पूरी कोशिश कर रही है, क्योंकि अब प्रधानमंत्री मोदी सीधे तौर पर इंडिया गठबंधन के निशाने पर हैं। 2 अक्टूबर से सीईसी के विरोध में आंदोलन तेज हो गया है, जो पूरे हफ्तेतें यानी 8 अक्टूबर तक चलेगा। इसके अलावा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और अन्य उच्च न्यायालयों, खासकर बॉम्बे उच्च न्यायालय में सीईसी और मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कई मामलों की सुनवाई होगी।इसके साथ ही, सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 के अधिनियम से जुड़े मामले में एक नया मोड़ आया है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय के एक जज ने बंटा हुआ फैसला दिया था, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से कानून के तहत सीईसी को उनकी नियुक्ति के मामले में भी मदद मिली। आरोप है कि जज का बेटा सीईसी के वकीलों के पैनल में शामिल हैं। मामला इसलिए भी पेचीदा है क्योंकि उसी जज ने हाल ही में सीईसी ज्ञानेश कुमार की बेटी और नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम को राहत देते हुए एक फैसला सुनाया था। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई सख्त टिप्पणियों और 5 लाख रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने नोएडा में मजदूरों के विरोध–प्रदर्शन के दौरान शामिल एक छात्रा एक्टिविस्ट को एनएसए के तहत हिरासत में लिए जाने के मामले को रद्द कर दिया था।हालांकि आम धारणा यह है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार अब तक सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में अपने और अपने निर्णयों से जुड़े मामलों को सफलतापूर्वक संभालते रहे हैं। लेकिन आने वाले कुछ दिनों में उन्हें बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है जब इन मामलों की सुनवाई होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके कई फैसलों को बाकी दो चुनाव आयुक्तों ने भी श्रृंंखरे–कानूनीर और श्बिना अधिकार के लिए गए फैसलेर बताया था, जबकि उन्होंने अपने फैसलों को ईसीआई के सर्वसम्मत फैसले के तौर पर पेश किया था। 2 अक्टूबर के बाद जब सीईसी के खिलाफ आंदोलन तेज हो गयी है, तो इसकी गूँज पूरे देश में सुनाई दे रही है। इसमें न सिर्फ इंडिया ब्लॉक की पार्टियां, बल्कि शर्कॉकरोच जनता पार्टीर (सीजेपी) के बैनर तले जन जी, सिविल सोसाइटी और आम लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं।सीईसी के खिलाफ यह आंदोलन, जो असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाता है, अब एक नए और मजबूत चरण में प्रवेश कर रहा है। इस हफ्तेतें 2 से 8 अक्टूबर तक देशव्यापी श्लोकॉतंत्र बचाओर विरोध प्रदर्शन होंगे, 6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद ईसीआई तक मार्च करेंगे, सीजेपी ने 2 अक्टूबर से श्जेल भरोशे आंदोलन और प्रदर्शन शुरू कर दिया है, और देश के सभी जिलों में कई अन्य विरोध 1 रैलियां होंगी। चूँकि यह सीईसी के खिलाफ एक संयुक्त अभियान होगा– जो असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है– इसलिए यह अब तक के ऐसे किसी भी आंदोलन से ज्यादा मजबूत होगा। चुनावी आख्यान में बदलाव साफ दिख रहा है। अगले साल की शुरुआत में होने वाले अहम राज्य चुनावों से ठीक पहले श्वोट चोरीश का नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाता है। विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के साथ–साथ प्रधानमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है। इंडिया ब्लॉक ने इस आंदोलन को न सिर्फ ‘सड़कों पर, बल्कि संसद और अदालतों तक भी ले जाने की योजना बनाई है। वे श्सीईसी और अन्य ईसी नियुक्ति अधिनियम 2023र की धारा 16 को भी चुनौती देने की योजना बना रहे हैं, जो सीईसी को मुकदमों या उनके खिलाफ कार्रवाई से आजीवन सुरक्षा देती है।

विचार

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद गिर रहा है शेयर बाजार

प्रहलाद हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिाक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेंसैक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं

कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है। दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराइल–हम्मास युद्ध, अमेरिका–ईरान युद्ध, सऊदी अरब–हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है। उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के

दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिाक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक की 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक की 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के

एसआईआर – लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी



ललित भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मतार्थिकता है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक

महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित है। प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर–घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविध

धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने की तत्काल जरूरत

प्रोफेसर पवित्र धार्मिक शहरों पर दूसरा हमला, 2017 के बाद से सबसे गंभीर हमला, मंगलवार, 29 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार सुबह 5रु11 बजे हुआ। हूतियों ने मदीना में तैबा पावर डिस्ट्रिब्यूशन स्टेशन को निशाना बनाया, जो इस्लाम के दूसरे सबसे पवित्र स्थल श्अल-मस्जिद अन-नबवीर को बिजली सप्लाई करने वाली एक नागरिक सुविधा है। एक वन–वे अटैक ड्रोन ने एक ट्रॉन्सफॉर्मर को बेकार कर दिया। सऊदी गठबंधन ने बताया कि बड़े ग़ि़ड पर कोई असर नहीं पड़ा और मस्जिद में बिजली गुल नहीं हुई। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल–माल्की ने पुष्टि की कि मलबे को बरामद कर लिया गया है और ऑपरेशनल रिख्यू से हूतियों की सलिप्तता की पुष्टि हुई है। दो हफ्ते पहले, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार शाम 6रु50 बजे, सऊदी अरब ने मक्का के दक्षिण में एक हूथी ड्रोन को ग्रैंड मस्जिद के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। 2017 के बाद मक्का पर यह पहली कोशिश थी। सऊदी अधिकारियों ने इस हमले के लिए यमन के हूथी विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहरायाय बढ़ते तनाव के बीच इस्लाम के

सबसे पवित्र शहर पर यह अपनी तरह की पहली घटना थी। सऊदी एयर डिफेंस ने जेद्दा से लगभग 70 किलोमीटर अंदर ड्रोन को रोक दिया, जिससे वह अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाया। सऊदी–नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल–मलिकि ने बताया कि मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही ड्रोन को रोक दिया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि दो पवित्र मस्जिदों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एक श्रेष्ठ लाइनर (अति–संवेदनशील सीमा) है। उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे शश्मनाक हरकतश बताया, जिसका मकसद इबादत करने वालों में डर और स्पर्त र्था और आम नागरिकों को नुकसान पहुँचाना था। सऊदी विदेश मंत्रालय ने इसे श्कायरतापूर्ण आतंकवादी हमलाश करार दिया। हूथी आंदोलन (अंसार अल्लाह) ने तुरंत और स्पर्त रूप से इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। 57 मुस्लिम–बहुल देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन श्ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशनर (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे श्घिनीनाश बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा

के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और धार्मिक सद्भाव को खतरा हो सकता है। सऊदी अरब और जी सी सी ने कहा कि इन हमलों ने श्सभी रेड लाइन्स पार कर ली हैंश और यह श्हालात को गंभीर रूप से बिगाड़नेश (ग्रेव एस्केलेशन) जैसा है। मक्का और मदीना को निशाना बनाकर दुनिया भर के लाखों मुसलमानों को जान–बूझकर उकसाया गया है। यू ए ई, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और तुर्की ने भी एकजुटता दिखाते हुए बयान जारी किए। हूथियों ने जिम्मेदारी से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी पवित्र स्थल को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने सऊदी अरब पर आरोप लगाया कि वह मक्का के बारे में पहले किए गए दावे को साबित न कर पाने की अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश कर रहा है। हूथियों ने जुलाई 2026 में सऊदी अरब की समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की थी और 2022 में संयुक्त राष्ट्र संघ में युद्धविराम संधि ा के टूटने के बाद सीमा–पार हमले फिर से शुरू कर दिए थे। सना और लाल सागर के तट पर उनके नियंत्रण की वजह से वे 900



बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांड्स की यील्ड में पिछले लगभग 24–25 वर्षों के उच्चतम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे हैं एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही

तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का (क्तप्रबम जव स्तदपदह – ऋ त्जंपा) में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांड्स की यील्ड में पिछले लगभग 24–25 वर्षों के उच्चतम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे हैं एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही

पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिाक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026–27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रप्ता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं।

िताना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है। इस राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना

फॉर्म–6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है। इस राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना

में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म–6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है।

हमलों को रोकने की तत्काल जरूरत

किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक ड्रोन भेजकर मदीना तक पहुँच सकते हैं। पवित्र मस्जिद के पास बिजलीघर पर हमला करने का मकसद धार्मिक आक्रोश को भड़काना, सऊदी अरब पर दबाव बढ़ाना और ईरान–समर्थित क्षमताओं का प्रदर्शन करना है, ताकि

स्थलों को निशाना बनाना युद्ध का पुराना और दुखद पहलू रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून में इस मुद्दे पर स्पष्ट नियम हैं, जो सीधे तौर पर ऊपर बताए गए हमलों जैसे मामलों को संबोधित करते हैं। नीचे इन स्थलों के लिए ऐतिहासिक उदाहरण



यह दिखाया जा सके कि वे ईरान–अमेरिका–इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भी सऊदी अरब के अंदरूनी इलाकों तक हमला कर सकते हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इसका प्रतीकात्मक असर बहुत बड़ा है। इस्लामी दुनिया में, पैगंबर की मस्जिद (मस्जिद–ए–नबवी) को सेवा देने वाले बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने को पवित्रता पर ही हमला माना जाता है। टकराव के दौरान धार्मिक

कार्यों के लिए समर्पित इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों, अस्पतालों... को य्थासंभव बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। बशर्ते कि उनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए न किया जा रहा हो। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आई सी सी) के रोम स्टैच्यूट के आर्टिकल 8(2)(बी)(घ) और 8(2)(ई)(पघ) के तहत, धर्म, शिक्षा, कला, विज्ञान या चौरिटी के कामों के लिए बनी इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों या अस्पतालों पर जान–बूझकर हमला करनाश इंटरनेशनल और नॉन–इंटरनेशनल आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट (सशस्त्र संघर्ष) में वॉर क्राइम माना जाता है, बशर्ते वे मिलिट्री टारगेट न हों। कस्टमरी इंटरनेशनल लॉ (प्रचलित अंतरराष्ट्रीय कानून) सभी देशों के लिए अनिवार्य नियम के तौर पर धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की सुरक्षा करता है, चाहे किसी संधि ा को मंजूरी दी गई हो या नहीं। आई सी आर सी और दूसरे संगठन लगातार इस बात पर जोर देते हैं कि इन स्थलों की सुरक्षा करना श्इंटरनेशनल ह्यूमैनिटेरियन लॉ (अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून) के तहत एक अनिवार्य दायित्व और एक बहुत बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है। हालांकि धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने वाला कानूनी ढांचा मजबूत है।

वाराणसी खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया बैठक



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। वाराणसी खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक

वीडियोग्राफी की व्यवस्था समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मतदान केन्द्रों पर स्वच्छ पेयजल सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस बल की ब्रीफिंग कर उन्हें निर्वाचन संबंधी दायित्वों एवं आवश्यक निर्देशों से अवगत कराने के निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिाकारी परमानन्द झा सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल और अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी प्रमुख हैं। कुलपति ने कहा कि मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक के अभाव में खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है। ट्रैक बनने से नई खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण देने के साथ अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी सुवि्ा होगी। एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के नवीनीकरण में समतलीकरण, जलनिकासी, उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव है। इससे विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन को बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश ‘जो खेलते हैं, वो खिलते हैं’ और ‘फिट इंडिया’ मिशन को धरातल पर उतारने के लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास जरूरी है।

साइबर सुरक्षा में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी – प्रो. राकेश कुमार सिंह



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ‘सिक्थोर एप्लीकेशन डेवलपमेंट’ विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन मंगलवार को विद्यार्थियों ने उस्ताहपूर्वक प्रतिभाग किया। मुख्य विषय विशेषज्ञ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय

पीपा पुल की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। राजेपुर त्रिमुहानी स्थित रामेश्वर गोमती नदी के राजेपुर–विजयीपुर घाट पर पीपा पुल निर्माण की मांग को लेकर समाजसेवी जज सिंह अन्ना सोमवार से कलेक्ट्रेट परिसर में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी)

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरी - प्रो. सुधीर सिंह



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में संचालित फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर ‘दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण’ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुग्ध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी

दी। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का बड़ी मात्रा में सेवन किया जाता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है। प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दुग्ध अत्यधि दौष्य खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य एवं सुरक्षित शेल्फ लाइफ बनाए रखने के लिए उचित प्रसंस्करण, ताप उपचार, शीत भंडारण, स्वच्छता और प्रभावी पैकेजिंग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने विशेष रूप से दूध, पनीर

जौनपुर में अखिलेश यादव की हिरासत के विरोध में सपा का प्रदर्शन



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में दिल्ली में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने के विरोध में जौनपुर में सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

पार्टी कार्यकर्ता वरिष्ठ नेता रत्नाकर चौबे के नेतृत्व में अंबेडकर तिराहे पर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर अखिलेश यादव को रिहा करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर दो थानों की मौजूद रहे।

सेवा संकल्प यात्रा का जौनपुर पहुंचने पर जोरदार स्वागत गौशाला में गायों को गुड़ खिलाकर और चारा परोसकर किया सेवा कार्य



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। गुजरात के बडनगर से शुरु हुई सेवा संकल्प यात्रा मंगलवार को विभिन्न राज्यों और जिलों से होते हुए जौनपुर पहुंची। यात्रा के जौनपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सेवा संकल्प टीम ने जिले में विभिन्न स्थानों पर सेवा कार्य किए। नगर के पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित गौशाला में पहुंचकर टीम के सदस्यों ने गोवंश को गुड मिश्र, ग्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जुड़े लोग मौजूद रहे। जनपद में पहुंचने पर नगर पालिका परिषद की चेयरमैन मनोमरा मौर्य के प्रतिनिधि डॉ. रामसूरत मौर्य ने यात्रा में शामिल लोगों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्होंने गौशाला में हरे चारे और गुड़ की व्यवस्था भी कराई। यात्रा के प्रमुख गुजरात निवासी कुलदीप बारोट ने बताया कि सेवा संकल्प यात्रा गुजरात के बडनगर से शुरु होकर वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचकर समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मस्थली से उनके कर्मस्थल तक निकाली गई 20

आमरण अनशन पर बैठे जज सिंह अन्ना

खंड–द्वितीय से पुल निर्माण शुरु कराने की मांग की है। जज सिंह अन्ना ने कहा कि नवंबर माह में कार्तिक पूर्णिमा का पर्व होगा। इस दौरान करीब पांच लाख श्रद्धालु गोमती नदी में स्नान के लिए राजेपुर–विजयीपुर घाट पहुंचते हैं। उनका कहना है कि पर्व के दौरान नावों का संचालन बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को नदी

के दूसरे छोर स्थित घाट तक पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पीपा पुल बनने से श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को उनके अनशन के बाद पीडब्ल्यूडी खंड–द्वितीय द्वारा पीपा पुल का निर्माण शुरु नहीं कराया जाता, तब तक उनका आमरण अनशन जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से कार्तिक पूर्णिमा से पहले पुल निर्माण पूरा कराने की मांग की है।

और बटर के संरक्षण की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। पनीर के संदर्भ में उन्होंने इसके निर्माण, नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग, शीत भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी। वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उचित पैकेजिंग, ऑक्सीकरण से सुरक्षा तथा भंडारण की उपयुक्त परिस्थितियों के महत्व को समझाया।उन्होंने विद्यार्थियों को बटर, क्रीम, मिल्क पाउडर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के संरक्षण एवं उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों का उपयोग न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दुग्ध उत्पादों के मूल्यवर्धन और उनके व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं को भी बढ़ाता है। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. सुधीर सिंह ने विस्तारपूर्वक समाधान किया।कार्यक्रम के अंत में संकायाध् यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रो. सुधीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनगणना कार्यों की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक



जनगणना प्रशिक्षण को निर्धारित समयवाधि में पूर्ण कराने, पर्याप्त संख्या में कार्मिकों का चयन सुनिश्चित करने तथा प्रशिक्षण केंद्रों पर आवश्यक संसाध्ाओं की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से महिला प्रशिक्षुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में उपनिदेशक अजय कुमार द्वारा स्व–गणना से संबंधित रणनीति एवं तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानन्द झा द्वारा प्रसाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में संचालित फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निदेशालय से उपनिदेशक अजय कुमार ने भी प्रतिभाग किया। निरीक्षण के दौरान



प्रशिक्षण से संबंधित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गईं। उपनिदेशक अजय कुमार ने प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उनके प्रश्नों का उत्तर दिया तथा आगामी प्रशिक्षण एवं फील्ड कार्यों को प्रभावी ढंग से संपादित करने के लिए उन्हें प्रेरित किया।

स्तन कैंसर के खिलाफ उमड़ी गुलाबी लहर

लखनऊ, (संवाददाता)। स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता का संदेश देने के लिए रविवार सुबह 1090 चौराहे पर गुलाबी लहर दिखाई दी। पिक वेव 2026 में 700 से अधिक लोगों ने जागरूकता दौड़ में हिस्सा लिया। डॉक्टरों, युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों और परिवारों के साथ शहर की कई प्रमुख हस्तियां भी अभियान में शामिल हुईं। 41 क्लब ऑफ इंडिया और एसजीपीजीआई स्तन स्वास्थ्य कार्यक्रम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जागरूकता दौड़ के साथ विटेंज कार रैली और सुपर पिक बाइकर्स राइड निकाली गई। अपर मुख्य सचिव उद्योग आलोक कुमार और यूईआरसी अध् यक्ष अरविंद कुमार ने दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शंखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार ने कार व बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली की जरिये शहर के विभिन्न हिस्सों में स्तन कैंसर से बचाव का संदेश पहुंचाया गया। कार्यक्रम में स्तन कैंसर को मात देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। उन्होंने समय पर जांच और उपचार से जुड़े अनुभव साझा किए। आयोजक रजनीश सेठी और राजेश लूथरा ने बताया कि 41 क्लब स्वास्थ्य जागरूकता के लिए लगातार काम कर रहा है। एसजीपीजीआई के डॉ. गौरव अग्रवाल ने महिलाओं से नियमित स्वयं जांच करने और किसी असामान्य बदलाव पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।

पिताई से किशोर की मौत के मामले में डेंटल अस्पताल का प्लंबर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई इलाके में 30 सितंबर को पिटाई से हुई 16 वर्षीय किशोर की मौत के मामले में पुलिस ने रविवार को सरदार पटेल डेंटल कॉलेज के प्लंबर को गिरफ्तार किया है। पुलिस तीन अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। इस्पेक्टर सुनील सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्लंबर रायबरेली के बछरावां के दोस्तपुर का रहने वाला सुभाष चंद्र है। आरोपी वर्ष 2008 से पीजीआई इलाके में स्थित सरदार पटेल डेंटल कॉलेज में कार्यरत है। एक अकूबर को किशोर की मां ने डेंटल अस्पताल के चार कर्मियों के खिलाफ गैर इशадतन हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जांच में पता चला था कि 30 सितंबर को सुबह करीब दस बजे किशोर डेंटल अस्पताल गया था। यहां आरोपी सुभाष व तीन अन्य कर्मचारियों को उस पर एसी का पाइप चोरी करने का शक हुआ था। आरोपियों ने किशोर को पीट दिया था। इसके बाद उसकी मौत हो गई थी।

मुनाफे का झांसा देकर दो प्रापर्टी डीलरों से 23.30 लाख की ठगी

लखनऊ, (संवाददाता)। दो प्रॉपर्टी डीलरों तिवारीगंज निवासी अजय कुमार सिंह और गोयल हाइट्स में रहने वाले कृष्ण कुमार चौरसिया ने दो लोगों पर 23.30 लाख की ठगी का आरोप लगाया है। पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ितों का कहना है कि व्हाट्सएप के माध्यम से मोहित मेहरोत्रा और कबीर मेहरोत्रा से उनका परिचय हुआ था। आरोपियों ने बताया था कि उनका बेटा लंदन की एक कंपनी में काम करता है।

‘सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 07 अक्टूबर को खिरनी बाग में होगा सेवा ज्योति कलश यात्रा का भव्य आयोजन’



‘ब्यूरो रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव’

‘शाहजहांपुर’ जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद में संचालित सेवा ज्योति कलश यात्रा कार्यक्रम 07 अक्टूबर 2026 को खिरनी बाग में आयोजन के संबंध में बैठक कैंप कार्यालय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न स्थलों से पैदल, साइकिल एवं बाइक रैलियों के माध् यम से जनमानस खिरनी बाग प्रातः 9रु00 बजे पहुंचेगा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने बताया कि सेवा ज्योति कलश यात्रा के माध् यम से सेवा, समर्पण एवं राष्ट्र सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रा के समापन अवसर पर जनमानस की सहभागिता से ‘विकसित भारत 2047’

के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद के खिरनी बाग में सेवा कलश की स्थापना भी की जाएगी, जो सेवा, समर्पण और राष्ट्र सेवा की भावना का प्रतीक बनेगा। सेवा ज्योति कलश यात्रा के समापन कार्यक्रम में आम जनमानस के साथ—साथ खिलाड़ी, जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोग सहभागिता करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाली पैदल, साइकिल एवं बाइक रैलियां स्थानीय स्थलों से होते हुए खिरनी बाग चौराहे पर पहुंचेंगी। एलईडी स्क्रीन पर माननीय प्रध् ानमंत्री जी के संबोधन का सजीव प्रसारण जनमानस को दिखाया एवं की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रा के समापन अवसर पर जनमानस की सहभागिता से ‘विकसित भारत 2047’

उपनिरीक्षक पद पर प्रोन्नत हुए रबीन्द्र कुमार, डीआईजी ने स्टार लगाकर दी बधाई



छावनी परिषद अयोध्या के नवागत सीईओ का स्वागत, लंबित योजनाओं को जल्द शुरू कराने की मांग



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। छावनी परिषद अयोध् या के नवागत मुख्य अधिशासी अधिाकारी (आईईईएस) दिगविजय सिंह ने सीईओ दिगविजय सिंह से मुलाकात

राहुल यादव पिंटू,पदेन सदस्य श्रीराम मिलन निषाद, पूर्व सभासद अमरजीत निषाद और पूर्व सभासद राजकुमार जायसवाल ने बुके देकर स्वागत किया।इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ दिगविजय सिंह से मुलाकात

लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधिात विभागों को कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सेवा ज्योति कलश यात्रा के समापन कार्यक्रम को संकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों को कार्य आवंटित करते हुए आवश्यक दायित्व सौंपे हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अपने—अपने आवंटित कार्यों की पूर्व योजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में अपेक्षित जनभागीदारी को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा विभागीय समन्वय के साथ कार्यक्रम को व्यवस्थित, सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जाए। स्पोर्ट् स्टेडियम हथौड़ा में 108 मीटर व्यास का भारत मंगल एवं भव्य ह्यूमन रंगोली का निर्माण कराया जाएगा जिसमें प्रधानमंत्री जी की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएं राष्ट्रीय प्रतीक और विकसित भारत सपना दर्शाया जाएगा। लोग 8 एवं 9 अक्टूबर को रंगोली का अवलोकन कर सकते हैं। इस अवसर नगर आयुक्त सोम्या गुरुग्राी, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष दिवेदी, जिला अध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या।डीआईजी कार्यालय में तैनात लिपिक रबीन्द्र कुमार को उपनिरीक्षक पद पर प्रोन्नति मिलने पर पुलिस डीआईजी सोमेन बर्मा ने वर्दी पर स्टार लगाकर बधाई दी। उन्होंने रबीन्द्र कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यालयीय दायित्वों एवं कर्तव्यों का जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डीआईजी कार्यालय में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने डीआईजी के पीआरओ अरविन्द सिंह को मिठाई खिलाकर बधाई दी।कार्यक्रम में निरीक्षक अरविन्द सिंह, निरीक्षक लेखा सुरेश कुमार मौर्य, गोपनीय सहायक नवीन सिंह, उपनिरीक्षक रणजीत यादव, देवेश त्रिपाठी, श्रीप्रकाश पाण्डेय, विजय पाण्डेय, राकेश मिश्रा सहित कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नर छावनी क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया।वही समाजसेवी राहुल यादव पिंटू ने छावनी क्षेत्र में कई वर्षों से लंबित मैरिज हॉल के निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों और योजनाओं को जल्द शुरू कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि छावनी क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाना जरूरी है। उन्होंने सीईओ से जनहित में आवश्यक कार्रवाई जल्द कराने की अपील की।इस मौके पर मुख्य अधिशासी अधिकारी दिगविजय सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि छावनी क्षेत्र की जनसमस्याओं का समयबद्ध तरीके से निस्तारण कराया जाएगा और लंबित विकास योजनाओं को भी जल्द शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से छावनी क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।इस मौके पर समाजसेवी राहुल यादव पिंटू, पदेन सदस्य राम जायसवाल ने बुके देकर स्वागत किया।इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ दिगविजय सिंह से मुलाकात

कर छावनी क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया।वही समाजसेवी राहुल यादव पिंटू ने छावनी क्षेत्र में कई वर्षों से लंबित मैरिज हॉल के निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों और योजनाओं को जल्द शुरू कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि छावनी क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाना जरूरी है। उन्होंने सीईओ से जनहित में आवश्यक कार्रवाई जल्द कराने की अपील की।इस मौके पर मुख्य अधिशासी अधिकारी दिगविजय सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि छावनी क्षेत्र की जनसमस्याओं का समयबद्ध तरीके से निस्तारण कराया जाएगा और लंबित विकास योजनाओं को भी जल्द शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से छावनी क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।इस मौके पर समाजसेवी राहुल यादव पिंटू, पदेन सदस्य राम जायसवाल ने बुके देकर स्वागत किया।इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ दिगविजय सिंह से मुलाकात

कोतवाली नगर क्षेत्र मे पोस्टमार्टम हाउस के पास से दो वांछित गिरफ्तार



अयोध्या।कोतवाली नगर पुलिस ने वांछित दो अभियुक्तों को पोस्टमार्टम हाउस के पास से गिरफ्तार कर

लिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा ने बताया कि पुलिस ने इनके पास से

जनसुनवाई में 141 शिकायतें प्राप्त, अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोकने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश’



‘रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘हरदोई’ जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। जनसुनवाई में कुल 141 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, खंड विकास अधिा

ाकारियों एवं नगर पालिका के अधिाकारियों की वीडियो लिंक के माध् यम से उपस्थिति ली। उपस्थिति के दौरान कुछ अधिकारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर जिलाधिाकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि सभी अधिकारी शासन की मंशानुरूप निर्धारित समयावधि में जन सुनवाई अवश्य करें तथा स्थानीय स्तर पर प्राप्त समस्त

अयोध्या एयरपोर्ट को मिला 6.7 करोड़ का अत्याधुनिक एआरएफएफ



अयोध्या।महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, अयोध्या धाम की अग्निशमन और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को और मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक फायर टैंडर उपलब्ध कराया गया है।दुर्बई से आयातित इस वाहन को विमान

अग्नि सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण संसाधन माना जा रहा है।एयरपोर्ट निदेशक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस फायर टैंडर की अनुमानित लागत करीब 6.7 करोड़ रुपये है।करीब 36 टन वजन वाला यह वाहन 115 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक की

प्रेस वार्ता में थप्पड़ कांड के बाद अखिलेश यादव का एक्शन, गोरखपुर सपा की पूरी जिला-महानगर इकाई भंग

गोरखपुर, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर जिले की ओर महानगर की ईकाई को भंग कर दिया है। माना जा रहा है कि एक दिन पहले प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी के दो नेताओं के विवाद को बाद ये फैसला लिया गया है। जारी निर्देश के अनुसार, जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष सहित पूरी जिला कार्यकारिणी, महानगर कार्यकारिणी, फ्रंटल संगठन और राज्य—प्रदेश कार्यकारिणी के गोरखपुर के सभी पदाधिकारियों को ने तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। एक दिन पहले प्रेस वार्ता में सपा के दो नेताओं के बीच कहासुनी हाथपाई में बदल गई थी। गोरखपुर ग्रामीण से विधानसभा चुनाव में सपा से दावा करने वाले अंशुमान सिंह और पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी में प्रेस वार्ता के दौरान कहासुनी हो गई। इसी बीच अंशुमान के लड़के के विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।इस मौके पर समाजसेवी राहुल यादव पिंटू, पदेन सदस्य राम जायसवाल ने बुके देकर स्वागत किया।इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ दिगविजय सिंह से मुलाकात

दिया गया। अगले दिन, शनिवार को पार्टी ने गोरखपुर जिले की सभी कार्यकारिणी को भंग कर दिया। लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान को लेकर गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में शनिवार को समाजवादी पार्टी की प्रेस वार्ता चल रही थी। प्रेस वार्ता का आयोजन सपा जिलाध् यक्ष ब्रिजेश कुमार गौतम की ओर से किया गया था। कार्यक्रम में सपा महानगर अध्यक्ष सबीर कुैरेशी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रहलाद यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश यादव, पूर्व विध् ायक विजय बहादुर यादव, काजल निषाद, संजय पहलवान, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री डॉ. मोहसिन, जय प्रकाश यादव, रणजीत पासवान समेत पार्टी के दर्जनों वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। इसी दौरान सपा नेता अंशुमान सिंह के पुत्र कमलेश प्रेस क्लब पहुंचे और काजल निषाद के बगल में बैठने का प्रयास किया। वहां जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी से बातचीत शुरू हुई। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ा और दोनों के बीच तीखी कहासुनी होने लगी।

चोरी की धातु के पाइप व कटा हुआ तार समेत करीब 4.5 किलो सामान और 5 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान सुमित गौतम (19),निवासी रामनगर छावनी और प्रमोद निषाद (45), निवासी बजीरगंज केवटहिया के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार दोनों के खिलाफ कोतवाली नगर में चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज था और वे वांछित चल रहे थे।कार्यवाई करने वाली टीम में चौकी प्रभारी रिकाबगंज चंद्र मोहन शुक्ला, चौकी प्रभारी फतेहगंज रोहित कुमार पांडेय समेत कई पुलिस कर्मी शामिल रहे।

शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अधिाकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाया जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से उपलब्ध ा कराया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट गुलाब चंद्र सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अयोध्या की जनसमस्याओं को लेकर अपना दल एस ने सौंपा आठ सूत्रीय झापन

अयोध्या।शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की कई जन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अपना दल एस ने मंगलवार को जिलाधिकारी के माध् यम से राज्यपाल को आठ सूत्रीय झापन भेजा।झापन के माध्यम से शहर की यातायात व्यवस्था, जलभराव, प्रदूषण, सड़क, स्ट्रीट लाइट और औद्योगिक इकाइयों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।झापन में ‘देवकाली चौराहे से अम्बेडकरनगर रोड तथा राजा दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शननगर तक करोड़ों रुपये की लागत से लगाई गई लाइटों के बंद पड़े होने का मुद्दा उठाते हुए उन्हें तत्काल चालू कराने की मांग की गई।वही तिलैया नाला (त्रिलोक गंगा नदी) का वर्षों से अधूरा पड़ा कार्य पूरा कराने की भी मांग की गई।सुल्तानपुर—प्रयागराज और अम्बेडकरनगर मार्ग के दोनों ओर अवैध रूप से गिद्दी—मौरंग तथा वाहनों के खड़े होने से लगने वाले जाम को हटाने की मांग की गई। झापन में कहा गया कि जाम के कारण विशेष रूप से एंबुलेंस को परेशानी होती है।नगर निगम में शामिल गांवों और कॉलोनियों में सड़क, नाली, पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविध् ाएं उपलब्ध होने तक हाउस टैक्स में राहत देने की मांग की गई।अवैध ानाथ वार्ड, गुरु नगर कॉलोनी और श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड में सड़क, नाली, जलभराव व स्ट्रीट लाइट की समस्याओं का तत्काल समाधान कराने की मांग भी शामिल रही।इसके अलावा औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित पानी और प्रदूषण पर रोक लगाने, शहर में पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था कराने तथा देवकाली और प्रयागराज ओवरब्रिज पर आए दिन लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए चौड़ीकरण कराने की मांग की गई।झापन सौंपने वालों में अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव सम्राट अंजनी कुमार मौर्य, जिला अध्यक्ष विधि मंच एडवोकेट राम प्रकाश वर्मा, एडवोकेट विजय बहादुर पटेल, कृष्ण कुमार पटेल, अतुल वर्मा, विनय वर्मा, राजकुमार वर्मा, अमरजीत वर्मा, शिव श्याम श्रीवास्तव, डॉ. रामपाल राज पारी, मंगल मौर्य, रामचंद्र वर्मा और अखिलेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लावारिस मरीज को जमीन पर घसीटने का वीडियो वायरल होने पर जिला अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल

अयोध्या।सोमवार की शाम जिला अस्पताल में भर्ती करीब 45 वर्षीय लावारिस मरीज को जमीन पर घसीटकर ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।वीडियो वायरल होते ही जिला अस्पताल की व्यवस्था की पोल एक बार फिर खुल गई। वायरल वीडियो में मरीज को एक व्यक्ति जमीन पर घसीटते हुए लावारिस वार्ड की ओर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है।प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा डिप्टी सीएम बूजेश पाठक ने सभी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों की सही तरीके इलाज किया जाए। लेकिन इसका असर जिला अस्पताल के अधिकारियों हुआ कर्मचारियों पर नहीं पड़ रहा है।वायरल वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश है।समाजसेवी संगठनों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है।वही लोगों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती असहाय और लावारिस मरीजों की देखभाल में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।वही जिला अस्पताल के सीएमएस ने बताया कि उक्त मरीज को दो दिन पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।सोमवार को उसे जांच के लिए लैब ले जाया गया था। जांच के बाद मरीज खुद बाहर जाने लगा।इसी दौरान वह एक अन्य मरीज के तीमारदार के संपर्क में आया और वीडियो में वही व्यक्ति मरीज को जमीन पर घसीटता दिखाई दे रहा है। बताया कि मरीज को घसीटकर ले जाने वाला व्यक्ति अस्पताल का कर्मचारी नहीं है।स्टाफ की नजर पड़ने के बाद मरीज को दोबारा लावारिस वार्ड में शिफ्ट कराया गया।कहा कि प्रारंभिक जानकारी में किसी अस्पताल कर्मचारी की भूमिका सामने नहीं आई है।बताया कि वीडियो वायरल मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है।जांच में यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि मरीज अस्पताल परिसर से बाहर कैसे जाने लगा, उस समय उसकी निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी और उसे स्ट्रेचर या व्हीलचेयर क्यों उपलब्ध नहीं कराया गया।इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी।

वक्फ की जमीन पर कब्जे और प्लाटिंग का आरोप, रास्ते बंद होने की शिकायत

गोरखपुर, (संवाददाता)। पिपराइच थाना क्षेत्र के जंगल अहमद अली शाह उर्फ तुरा में इमामबाड़ा स्टेट की वक्फ संपत्ति पर कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने का आरोप लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 16 एकड़ जमीन पर वर्षों से खेती, साप्ताहिक बाजार, दशहरा और ताजिया मेला लगता रहा है। अब बाउंड्री कराए जाने से मजार, पुराने कुएं और ग्रामीणों के रास्ते प्रभावित हो गए हैं। रविवार को ग्राम प्रधान माधव प्रसाद समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए पिपराइच थाने में प्रार्थनापत्र दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, वर्ष 2018 के बाद कई गाटों पर वक्फ संख्या 67 का बोर्ड लगाया गया था। इसमें जमीन को इमामबाड़ा स्टेट की वक्फ संपत्ति बताते हुए क्रय—विक्रय नहीं करने की चेतावनी दी गई थी। आरोप है कि बाद में बोर्ड हटा दिया गया और जमीन पर प्लाटिंग शुरू कर दी गई। ग्रामीणों ने राजस्व अभिलेखों में जमीन की प्रकृति बदले जाने और रजिस्ट्री किए जाने की भी जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाजार परिसर में स्थित मलंग बाबा की मजार तक जाने का रास्ता बंद किया जा रहा है। एक गाटा को राजस्व अभिलेखों में नवीन परती दर्ज होने के बावजूद वहां प्लाटिंग का आरोप लगाया गया है। पुराने कुएं को पाटने की शिकायत भी की गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।	
सम्पादक	
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव	
मो0 - 7007415808 , 9415034002	
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	